भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
**Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

**प्रेस विज्ञप्ति**

# आईआईटी भुवनेश्वर ने एसएचजी को एमएसएमई में बदलने के लिए ओडिशा आजीविका मिशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

**भुवनेश्वर, 8 जून 2026:** जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, आईआईटी भुवनेश्वर और ओडिशा आजीविका मिशन (ओएलएम) ने आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में बदलने के उद्देश्य से एक संरचित ऊष्मायन पहल के शुभारंभ का प्रतीक है।

8 जून 2026 को आईआईटी भुवनेश्वर का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रो. श्रीपाद कर्मलकर और ओडिशा सरकार की उप मुख्यमंत्री सुश्री पार्वती परिदा के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। सुश्री मानसी निंभल, आईएएस, सरकार की आयुक्त-सह-सचिव, मिशन शक्ति विभाग, ओडिशा; और मिशन शक्ति की निदेशक डॉ. मोनिका प्रियदर्शिनी, आईएएस, भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं।

इस पहल के तहत, प्रत्येक इनक्यूबेटी को उद्यम पंजीकरण, नियामक अनुपालन और उद्यम प्रमाणन के लिए शुरू से अंत तक समर्थन प्राप्त होगा। आईआईटी भुवनेश्वर राज्य के चुनिंदा विशिष्ट उत्पादों के लिए पेटेंट दाखिल करने और उत्पाद प्रमाणन की सुविधा प्रदान करने के लिए अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का विस्तार भी करेगा, जिसका उद्देश्य विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान और बाजार पहचान बनाना है।

इस परियोजना का नेतृत्व डॉ. निहार रंजन जेना, सहायक प्रोफेसर और डॉ. दुखबंधु साहू, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंसेज एंड मैनेजमेंट, आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा किया जाएगा।

इस पहल से ओडिशा में एक मजबूत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होने की उम्मीद है, जो एसएचजी को अपने उद्यमों को बढ़ाने और औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने के लिए आवश्यक संस्थागत समर्थन प्रदान करेगा।

---